

## सीएम योगी बोले- अगर किसी को यमराज के दर्शन करने हों तो किसी बेटी को छेड़ने की हिम्मत करें

यूपी में अब तक 1.86 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। इस योजना की पात्र महिलाओं को गैस सिलिंडर मुफ्त में रिफिल कराने का उपहार दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन सभागार में उज्ज्वला योजना के तहत पात्र महिलाओं को मुफ्त सिलिंडर रिफिल का उपहार दिया। इस मौके पर उन्होंने रिफिल की धनराशि महिलाओं के खाते में भेजी। सीएम ने 10 महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से रिफिल की धनराशि मंच पर प्रदान की। इसके अलावा,

**संक्षिप्त समाचार**

**विधान परिषद चुनाव में सपा ने एक साथ साधा अगड़ा और पिछड़ा समीकरण, तीन यादवों को भी दिए टिकट**

यूपी में होने वाले विधान परिषद के चुनावों में सपा ने जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है। आने वाले समय में 5 स्नातक और 6 शिक्षक निवारचन क्षेत्र में चुनाव होने हैं। सपा ने विधान परिषद की आगरा-अलीगढ़ शिक्षक सीट पर डॉ. प्रकाश चंद्र गुप्ता और मेरठ-गाजियाबाद शिक्षक सीट पर नितिन कुमार तोमर को उतारने की घोषणा की। बुद्धिजीवियों के इस चुनाव में सपा का फोकस अगड़ा-पिछड़ा समीकरण साधने पर है। अब तक ठाकुर, कायस्थ व बनिया जाति के नेताओं पर दांव लगाया जा चुका है। विधान परिषद के 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अगले साल चुनाव होने हैं। इन सीटों पर मतदाता सूची तैयार करने का काम चल रहा है। इसी बीच सपा ने मंगलवार को दो और प्रत्याशी उतारे। उतार चुकी है। इनमें वाराणसी-मिर्जापुर शिक्षक सीट पर लाल बिहारी यादव, इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट पर डॉ. मान सिंह यादव और वाराणसी-मिर्जापुर स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा को मैदान में उतारा है। ये तीनों नेता वर्तमान में इन्हीं क्षेत्रों से विधान परिषद सदस्य हैं। इस तरह से यहां सपा ने पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया। इसके अलावा गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर कमलेश यादव, लखनऊ स्नातक सीट पर पूर्व एमएलसी कांति सिंह और मेरठ-सहारनपुर स्नातक सीट पर प्रमोद भाटी को उतारने की घोषणा की।



मुख्यमंत्री योगी ने उज्ज्वला योजना की लाभार्थी एक करोड़ 86 लाख महिलाओं के खाते में 1500 करोड़ रुपये की सब्सिडी भेजी। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले गरीब महिलाओं को लकड़ी और कोयले में खाना पकाना पड़ता था जिससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता था। उन्हें ज़िंदगी भर इलाज करवाना पड़ता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गये जिससे महिलाओं का जीवन आसान हुआ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी में सैफई परिवार ही सबकुछ था। हमारे लिए पूरा प्रदेश परिवार है। सपा सरकार दंगाइयों के सामने नाक रगड़ती थी और अपराधियों के साथ खड़ी होती थी पर हमने तय किया कि अब अगर किसी बेटी के साथ छेड़छाड़ की तो अगले चौराहे पर यमराज के दर्शन हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर यमराज से टिकट करवाना हो तो किसी बेटी से छेड़छाड़ कर दे। अगले चौराहे पर यमराज मिल जाएंगे। हमने कहा है कि हर बेटी को सुरक्षा देंगे। हर व्यापारी को सुरक्षा देंगे। हर गरीब के साथ सरकार खड़ी होगी। हर दलित के साथ सरकार खड़ी होगी। उत्साह और उमंग में किसी ने व्यवधान

डालने का काम किया तो उसे जेल में ठूसने में देर नहीं करेंगे। इसलिए आज हर त्योहार खुशी के साथ मनाया जा रहा है। सीएम योगी की अपील दिवाली पर स्वदेशी अपनाएं-सीएम योगी ने कहा कि दिवाली आ रही है। ऐसे में ध्यान रखें और स्वदेशी अपनाएं। दिया जलाएं तो अपने ही कुम्हार से बनाया हुआ हो। मूर्ति वहीं प्रयोग करें जो स्वदेशी मूर्तिकार की बनी हुई हो। दिवाली के मौके पर किसी गरीब की मदद जरूर करें। बता दें कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत

**अब जिला पंचायतों में भी नक्शा पास करने के लिए तैनात होंगे आर्किटेक्ट, सिविल इंजीनियरों की भी होगी नियुक्ति**

पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। जिला पंचायतों में नक्शा पास कराने में होने वाले खेल पर अब लगाम लगेगी। विकास प्राधिकरणों की तर्ज पर जिला पंचायतों में भी तकनीकी परीक्षण और तय मानकों के आधार पर नक्शा पास होगा। इसके लिए जिला पंचायतों में तकनीकी तौर पर दक्ष मानव संसाधन की व्यवस्था होगी। गुणवत्ता और तकनीक पर नजर रखने के लिए सिविल इंजीनियर और मानचित्रकार (आर्किटेक्ट) तैनात किए जाएंगे। पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में निर्देश दिए। सीएम ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। कहा, इससे नागरिकों को सुविधा मिलेगी और मिलने वाले शुल्क से ग्राम पंचायतों की आय भी बढ़ेगी। वितरण और जनसुविधा संचालन का प्रशिक्षण दिया जाए। बैठक में सीएम को बताया गया कि विभाग तालाबों की सूचीकरण और उपयोग नीति का ड्राफ्ट तैयार कर रहा है। इस पर सीएम ने ग्राम पंचायत और जिला पंचायतों के अधीन तालाबों व पोखरों का समयबद्ध पट्टा और इससे होने वाली आय को हर घर नल, जल संरक्षण तथा जनहित के कार्यों पर खर्च करने के निर्देश दिए हैं। कहा, इसके लिए नियमावली बनाई जाए।

## राममंदिर निर्माण की तरह कृष्ण जन्मभूमि मामले में मेरी भूमिका रहेगी...रामलला के दर्शन कर बोले रामभद्राचार्य

तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने रामलला के दर्शन किए और कहा कि जिस तरह राम मंदिर के निर्माण में मेरी भूमिका रही। वैसे ही भूमिका अब कृष्ण जन्मभूमि को लेकर रहेगी। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज मंगलवार देर रात अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान रामलला और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि रामलला के दर्शन कर मन



आनंद से भर गया और ऐसा लगा मानो प्रभु स्वयं कह रहे हों। अस मन होय उठाए लेव कोरबा। इस दौरान उन्होंने मथुरा को लेकर बड़ा बयान दिया। कहा कि जैसे अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में उनकी भूमिका

मई, 2016 में हुई थी। इस योजना से खासकर ग्रामीण भारत की रसोई को धुएं से मुक्त करने में सफलता मिली। साथ ही, महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव भी कम करने की दिशा में प्रभावी साबित हुई। प्रदेश में अब तक 1.86 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति वर्ष दो मुफ्त एलपीजी रिफिल देने का निर्णय लिया है। यह वितरण वित्तीय वर्ष 2025-26 में दो चरणों में किया जाएगा। पहला चरण अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025 तक और दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक होगा। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया है। पहले चरण में आधार प्रमाणित लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। योगी सरकार ने आधी आबादी की सबसे ज्यादा चिंता की है। इस मौके पर यूपी सरकार के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब से केंद्र की सत्ता में आए हैं वो आम लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह मुख्यमंत्री योगी भी लगातार काम कर रहे हैं। प्रदेश में कन्या सुमंगला योजना से 26 लाख 24 हजार लोगों को लाभ मिला है। इसी तरह सामूहिक विवाह योजना से गरीब कन्याओं का विवाह करवाया गया है। वित्तमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के लिए चल रही अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश की महिलाओं की सबसे ज्यादा चिंता की है। उन्होंने कहा कि मुद्दे हरगिज न कर पाएंगे बांका बाल तक, मोदी योगी गुंजेगा भारत में सौ साल तक।

कहा कि यह मित्रों का सुखद मिलन रहा। महंत नृत्य गोपाल दास अब बहुत कम लोगों को पहचानते हैं, लेकिन उन्होंने मुझे पहचान लिया, यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। दीपोत्सव पर उन्होंने कहा कि इस बार भी यह उत्सव भव्य और दिव्य होगा। तीन नए रिकॉर्ड भी बनाए जाएंगे।

## सीट बंटवारे की घोषणा से पहले ही तेजस्वी ने किया नामांकन, लालू-राबड़ी के साथ पहुंचे हाजीपुर



महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर अब तस्वीर साफ नहीं हुआ है। बिहार चुनाव में कौन सा दल कितनी सीटों पर लड़ेगा? यह भी तय नहीं हुआ है। लेकिन, महागठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने खुद को राधोपुर का उम्मीदवार घोषित कर अपना नामांकन भर दिया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए हाई-प्रोफाइल सीट राधोपुर से नामांकन दाखिल कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष बुधवार दोपहर हाजीपुर विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी देव कुमार आसान बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह मुख्यमंत्री योगी भी लगातार काम कर रहे हैं। प्रदेश में कन्या सुमंगला योजना से 26 लाख 24 हजार लोगों को लाभ मिला है। इसी तरह सामूहिक विवाह योजना से गरीब कन्याओं का विवाह करवाया गया है। वित्तमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के लिए चल रही अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश की महिलाओं की सबसे ज्यादा चिंता की है। उन्होंने कहा कि मुद्दे हरगिज न कर पाएंगे बांका बाल तक, मोदी योगी गुंजेगा भारत में सौ साल तक।

उनके साथ एक दर्जन से अधिक गाड़ियों का काफिला था। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ उनके पिता लालू प्रसाद यादव, मां राबड़ी देवी, बहन मीसा भारती, वरिष्ठ नेता संजय यादव सहित कई अन्य राजद नेता मौजूद थे। महागठबंधन में सीट बंटवारा अब तक नहीं- बता दें कि महागठबंधन की ओर से अभी तक राधोपुर सीट को लेकर कोई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की गई है, न ही उम्मीदवार के नाम की घोषणा हुई है। तेजस्वी यादव महागठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष भी हैं। अब तक सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। लेकिन, राजद और वामदल ने अपने प्रत्याशियों

को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार दिया है। नामांकन के बाद तेजस्वी यादव के साथ राजद के कई विधायक और नेता भी उपस्थित थे। तेजस्वी यादव के स्वागत में महात्मा गांधी सेतु (जो पटना को हाजीपुर से जोड़ता है) पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। महुआ से तेज प्रताप के सामने राजद ने मुकेश रोशन को खड़ा किया। वैशाली जिले से तेजस्वी यादव के अलावा राजद ने दो और प्रत्याशियों को टिकट दिया है। इनमें लालू परिवार के करीबी और महुआ विधायक मुकेश रोशन शामिल हैं, जो आज ही महुआ अनुमंडल कार्यालय में नामांकन दाखिल करेंगे। इस सीट से तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादव वर्तमान में विधायक हैं। उन्होंने जनशक्ति जनता दल के टिकट पर इस बार यहां से चुनाव लड़ने का एलान किया है। बता दें कि सीट से अभी तक एनडीए की ओर से किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। पिछली बार यानी वर्ष 2020 में तेजस्वी यादव के सामने सतीश यादव चुनाव मैदान में थे, जिन्हें तेजस्वी यादव ने हराया था।

## धीरेंद्र शास्त्री बोले- आई लव मोहम्मद से हमें गुरेज नहीं तो आई लव महादेव से आपको भी दिक्कत न हो



आई लव मोहम्मद' विवाद पर उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं, लेकिन यदि कोई 'आई लव महादेव' कहे तो उस पर भी किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हिंसा नहीं, बल्कि विचारों की लड़ाई में विश्वास रखते हैं और देश के संविधान का सम्मान करते हैं। आध्यात्मिक गुरु धीरेंद्र शास्त्री 7 से 16 नवंबर तक दिल्ली से वृंदावन तक 10 दिन की पदयात्रा करने जा रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य गांव-गांव जाकर हिंदू एकता का संदेश देना है। एक साक्षात्कार के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि हिंदू समाज में जागृति और एकता लाना है। आध्यात्मिक गुरु धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम धर्म के नाम पर लड़ रहे हैं और इससे भटकाव

हो रहा है। हम जातियों के नाम पर लड़ रहे हैं, जिससे देश रसातल में जा रहा है। तो क्यों न इसका कोई समाधान निकाला जाए... आइए हम अपनी ऊर्जा जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के झगड़ों से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद के लिए जीना शुरू करें। यही हमारी पदयात्रा का उद्देश्य है। आध्यात्मिक गुरु धीरेंद्र शास्त्री कहते हैं, हम चाहते हैं कि जातिवाद के नाम पर जहर न फैलाया जाए। हम चाहते हैं कि इस देश में हिंदू, हिंदुत्व और हिंदुस्तान का सम्मान हो। हम मुसलमानों या ईसाइयों के खिलाफ नहीं हैं। हिंदुओं की घटती संख्या, हिंदुओं में व्याप्त भय, हिंदुओं पर हो रहे या हो चुके अत्याचारों की भरपाई हम नहीं कर सकते। डिफेंडर या फॉर्च्यूनर में घूमने से यह देश हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हमें हर गांव, हर गली, हर नुकड़ पर

जाना होगा। तभी हिंदू बचेगा, तभी हिंदू जागृत होगा। इसलिए हम 7 से 16 नवंबर तक दिल्ली से वृंदावन तक 10 दिन की यह पदयात्रा कर रहे हैं, ताकि हर गांव और हर गली के हिंदुओं को गले लगाया जा सके। आई लव मोहम्मद% विवाद में आध्यात्मिक गुरु धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। हमने इसका समर्थन किया था, लेकिन जब मैं कहता हूं %आई लव महादेव%, तो आपको कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। और दूसरी बात, %सर तन से जुदा% जैसे बयान मत दीजिए। ये देश के कानून के खिलाफ है। ये देश के संविधान के खिलाफ है। हमारे अब तक के सारे बयान देखिए। हमने सिर्फ एक ही बात कही है। हम तलवारबाजी में विश्वास नहीं रखते। हम विचारों की लड़ाई में विश्वास रखते हैं।

संपादकीय Editorial

Happiness resides within you, not in money; strive to give your best.

If a person focuses on external factors, jealousy, or the praise of others, their mind remains neither stable nor calm. Therefore, one should focus on the things that are within their control. Humans achieve peace through moderation in happiness and symmetry in life. Both extreme poverty and extreme prosperity tend to create disruption and unrest in a person's mind and emotions. If a person focuses too much on external factors, jealousy, or the praise of others, such violent conflicts leave their mind neither stable nor calm. People blame nature and fate, but their fate is mostly a reflection of their character, passions, mistakes, and weaknesses. Therefore, a person should focus their attention on the things that are within their control. They should be content with their opportunities, not envy others or worry about their praise. They should focus on the aspects they can gradually improve each day. Do not waste their energy worrying about others. Instead, consider the lives of those who face numerous problems and struggle for food every day. Remember their suffering so that your own current situation seems significant. This will alleviate the suffering caused by jealousy of others and the desire for more. Considering the suffering of others inspires you to do something for yourself, which can lead to an improvement in your life. A person who is always engaged in righteous and just deeds remains joyful and free from worry day and night. However, if you do not follow the path of righteousness, you experience only worry and self-reproach. One should not covet the blessings of others, nor envy those who have more. Instead, compare your life to that of those who have very little. Considering their suffering, consider yourself fortunate and dedicate yourself to your work, so that you can empower even the weak. A positive flame should be ignited within you. Happiness resides not in possessions or gold, but in the soul. By holding firmly to this truth, you can live with greater peace and avoid many calamities. People pray to God, wishing for health, but they don't realize that God has placed the power to attain it within them. Due to a lack of self-control, they act contrary to their desires, putting their health before their desires. People don't pay attention to what's right in front of their feet, instead looking to the sky and becoming preoccupied with worry. To reach the sky, it's necessary to first understand the ground. A rich person isn't just someone who accumulates wealth, but someone who relentlessly moves toward their goal, undeterred by external influences. The principle: Strive to give your best. Unaffected by external influences, discover who you are and become that person. This is what your soul was sent to this earth to do. Always strive to give your best. What you sow now, you will reap later. Find the truth, live that truth, and everything else will follow. Just believe in yourself.

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र  
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच  
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .  
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली  
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान  
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला  
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की  
सम्पर्क करें-9021776991

# In Gandhi's eyes, human waste was also "gold"

Gandhi considered cleanliness a fundamental principle of personal and social life. He wrote in 1925 that "cleanliness is like devotion to God." Human excreta is a symbol of extreme filth, but the importance of discarded waste for natural balance can be understood from the thinking of Gandhi and scientists. In fact, human waste management is a subject deeply intertwined with health, the environment, and agriculture. Mahatma Gandhi equated cleanliness with devotion to God and described it as the foundation of national progress. He called open defecation a social curse, but he also advocated the use of human excreta as natural fertilizer in rural contexts. The Open Defecation Free (ODF) campaign underway in India today is inspired by Gandhi's ideas. Scientifically, the nutrients contained in human waste, such as nitrogen, phosphorus, and potassium, can be recycled to increase soil fertility, but modern sanitation systems often disrupt this natural cycle. Recycling is a natural process that returns to the earth the elements essential for life. Gandhiji considered cleanliness a fundamental principle of personal and social life. In 1925, he wrote, "Cleanliness is next to devotion to God." He believed that the primary cause of India's poverty and disease was unhygienic conditions, especially those associated with open defecation. He clearly stated, "Cleanliness is more important than political freedom." In his ashrams, such as the Sabarmati Ashram, toilet cleaning was mandatory. He himself cleaned the toilets to awaken awareness about cleanliness and eliminate caste discrimination. Gandhiji certainly considered open defecation harmful to health, but considering the conditions of rural India, he also offered a practical approach. In magazines like "Young India" and "Harijan," he wrote that if toilets were not available, human waste could be buried at appropriate depths in fields to create natural fertilizer. His vision was to scientifically convert human waste, animal dung, and other organic waste into "gold-like" manure. This would not only increase soil fertility but also maintain environmental balance. Instead of replicating Western-style toilets, he proposed simple and eco-friendly solutions for the Indian context, such as dry toilets, where faeces decompose to form compost. His philosophy was based on self-reliance and harmony with nature, which resonates with today's principles of ecological sanitation. His approach encouraged natural nutrient cycling, in which elements taken from the soil are returned to the local level. Meaning, elements taken from the soil should be returned to the soil where they were taken. Inspired by Gandhiji's philosophy of cleanliness, the Swachh Bharat Mission (SBM), launched on his birthday, October 2, 2014, was primarily aimed at making India open defecation-free. Under its rural mission, more than 100 million toilets were built between 2014 and 2019, increasing toilet coverage from 39 percent to over 95 percent. According to UNICEF, the Swachh Bharat Mission transformed the lives of approximately 500 million people and halved the global population practicing open defecation. Its impact on health has been significant. Diseases like diarrhea have declined, as open defecation pollutes water and soil. One study found that the campaign also reduced infant mortality. However, challenges remain. In some areas, toilet use is limited, and poor waste management has led to environmental problems. Scientifically, approximately 80 percent of nitrogen and phosphorus in human waste ends up in the central sewage system. In a natural cycle, plants absorb nutrients from the soil, animals consume them, and then their waste returns these elements to the soil. However, in modern flush toilets, feces mix with water to form sewage, which is sent to wastewater treatment plants. Here, after decomposition by microorganisms, solid residues (biosolids) are produced, which contain approximately 70 percent nitrogen and 50 percent phosphorus. If these residues are not used for agriculture, these nutrients flow into rivers and cause eutrophication, where excessive algae growth depletes oxygen in the water and harms aquatic life. Globally, approximately 80 percent of sewage is discharged untreated, leading to nutrient depletion in the soil. In ecological sanitation (Ecosan), feces and urine are collected separately and reused. Urine, which contains approximately 80 percent nitrogen, is diluted and converted into organic fertilizer, while feces is converted into manure through composting. According to a study, compost made from human waste not only increases crop yields but also improves soil health. Various benefits of the Ecosan system are being touted, such as water conservation and requiring 90 percent less water than flushing systems. Nutrient recycling, food security, and carbon emissions reduction are key. However, there are some limitations, such as the removal of heavy metals or pharmaceutical residues. The threat of pollution and lack of cultural acceptance. Advanced technologies such as struvite crystallization extract phosphorus, which is absorbed by plants up to 76 %. Biogas production provides energy, and the remaining residue is useful as fertilizer. Indian soils are deficient in nitrogen (89 %), phosphorus (80 %), and potassium (50 %), which is linked to soil erosion. Therefore, it is essential to adopt a circular economy approach and return nutrients to the land by using biosolids derived from waste in local agriculture. Microorganisms play a crucial role in this, decomposing organic matter and restoring nutrients to the soil. Incorporating ecosan into the ODF campaign can strengthen the natural balance. However, if waste is only collected and not recycled, soil nutrient depletion will worsen. Gandhiji's ideas are as relevant today as they were in his time. Nation building is possible through cleanliness and waste recycling.

## Sir Creek needs to be vigilant, necessary for defense and prevention of infiltration.

India's firmness at Sir Creek sends a message that national interest is paramount and India is committed to protecting every inch of its territory. If Pakistan initiates renewed diplomatic initiatives, ceases support to terrorists, and demonstrates sincerity in its words and actions, the Sir Creek dispute can be resolved. The Sir Creek region has once again become a source of tension in India-Pakistan relations. Defense Minister Rajnath Singh has warned Pakistan against its military buildup in Sir Creek, a 96-kilometer-long tidal estuary that separates the Rann of Kutch in Gujarat from Pakistan's Sindh province. The Sir Creek dispute has its roots in 1908, when disagreements arose between the rulers of Kutch and Sindh over territorial division. An attempt to resolve the issue through a resolution by the Bombay Presidency in 1914 created ambiguity. One section of the proposal suggested that the border be located on the outer bank of the creek, while another cited international law, which had different implications. The issue resurfaced after the 1965 armed conflict, when Pakistan claimed half of the Rann of Kutch. In 1968, an international tribunal upheld India's claim to 90 percent of the Rann, but the Sir Creek boundary remained unresolved. India maintains that the border runs through the middle of the creek, while Pakistan insists it lies on the creek's eastern bank. This difference determines how the maritime boundary extends into the Arabian Sea, affecting access to potential hydrocarbon reserves, fishing grounds, and billions of dollars worth of marine resources in both countries' exclusive economic zones. Since 1989, India and Pakistan have held six rounds of discussions to resolve the dispute without concrete progress. Pakistan insists that the border in the creek must first be demarcated to establish the basis for a maritime boundary, which combines land and maritime boundary issues. India has proposed delimitation and demarcation, but technical difficulties and political mistrust have prevented implementation. This is in stark contrast to India's successful resolution of maritime boundaries with its other neighbors. Bilateral agreements signed with Sri Lanka in 1974 and 1976 established a 288-kilometer maritime boundary extending from the tripoint with the Maldives to a 200-nautical-mile boundary in the Palk Strait, Palk Bay, and Gulf of Mannar. Despite decades of unsuccessful negotiations with Bangladesh, the dispute was finally resolved through international arbitration under United Nations maritime law. In 2014, the Permanent Court of Arbitration awarded 19,467 square kilometers of the disputed 25,602 square kilometers in the Bay of Bengal to Bangladesh. India and Bangladesh accepted this binding decision and used it as an opportunity to strengthen bilateral relations. These examples demonstrate that when there is political will, peaceful resolution of maritime boundary disputes through negotiations or arbitration is possible. Sir Creek strategically impacts Pakistan. Its largest city, Karachi, is located only 60 kilometers from this disputed border, where its primary naval base is located. Indian naval presence there threatens Pakistan's commercial lifeline and military infrastructure. Securing Sir Creek is essential for India to protect the Gujarat coastline and the strategically important Kandla port and to prevent the area from becoming an infiltration corridor. The renewed dispute over Sir Creek must be understood in the broader context of the post-2019 military standoff and Operation Sindoor. India's naval modernization, such as indigenous aircraft carriers, advanced submarines, and enhanced coastal surveillance, has fundamentally altered the maritime balance of power. Pakistan seeks to leverage this to sharpen its naval strategy. It wants to leverage Chinese military assistance to acquire advanced submarines and anti-ship missiles. Any misadventure by Pakistan in the Sir Creek region could lead to generations of regret. Regular patrols along the international maritime boundary line in the Sir Creek area are conducted by the Indian Coast Guard and the Pakistan Maritime Security Agency. These patrols serve a dual purpose: they help both countries maintain control over disputed waters and prevent fishing boats from either country from inadvertently crossing the international maritime boundary line. Currently, this remains a key part of India's maritime security policy. India's assertiveness in Sir Creek sends a message that national interest is paramount and India is committed to protecting every inch of its territory. The Sir Creek dispute could be resolved if Pakistan takes renewed diplomatic initiative.



## बंद मकान में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मारा छापा, नौ आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी इलाके में पुलिस ने एक बार फिर सट्टेबाजी कराने वाले गिरोह को पकड़ा है। मोहल्ला गंगापुर की सकरी गली के बंद मकान में जुआ-सट्टा खेला जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंगलवार रात मकान पर छापा मारा। मौके से नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सट्टा माफिया समेत दो आरोपी भाग गए। पुलिस के मुताबिक जांच में पता लगा है कि सट्टा माफिया ने मकान को किराये पर ले रखा था। वह संगठित गिरोह बनाकर सट्टेबाजी का धंधा कर रहा था। मौके से 15 हजार से ज्यादा रुपये और सट्टे की पर्ची मिली हैं। बारादरी प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मंगलवार रात सूचना मिली कि सट्टा माफिया जगमोहन उर्फ तन्नू मोहल्ला गंगापुर की सकरी गली में बंद मकान में जुआ-सट्टा करा रहा है। पुलिस टीम ने मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी। मौके से नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस बीच सट्टा माफिया जगमोहन उर्फ तन्नू और अर्जुन मकान के दूसरे दरवाजे से भाग गए। पकड़े आरोपियों से 15910 रुपये, सट्टा पैड समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मौके से भागे आरोपियों की तलाश की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों में शाकिब निवासी शाहबाद दीवान खाना थाना प्रेमनगर बाबू लाल निवासी बीडीए कॉलोनी थाना सुभाषनगर गुलफाम निवासी गली मनियारा, कुतुबखाना थाना कोतवाली मौसिम निवासी रजा चौक थाना कुमार निवासी गढड्या थाना किला प्रेम कुमार निवासी नई बस्ती नरकुलागंज थाना प्रेमनगर देवीराम निवासी बांके की छावनी थाना प्रेमनगर कछूराम निवासी बांके की छावनी थाना प्रेमनगर शामिल हैं।

## बरेली-मथुरा हाईवे पर सरपट दौड़ेंगे वाहन, कान्हा की नगरी का सफर होगा आसान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली-मथुरा हाईवे पर दिसंबर 2027 से वाहन सरपट दौड़ेंगे। चार पैकेज में 218 किलोमीटर फोरलेन सड़क और पुलों का निर्माण प्रस्तावित किया गया था। मथुरा से हाथरस तक पहले चरण का निर्माण पूरा हो गया है। दूसरे चरण में हाथरस से कासगंज तक निर्माण रफ्तार के साथ चल रहा है। तीसरे चरण में कासगंज से बदायूं तक का निर्माण शुरू हो गया है। अब चौथे पैकेज में बदायूं से बरेली तक का निर्माण होना है। अगले एक महीने में इस चरण में काम शुरू होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की बदायूं स्थित परियोजना के निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि 1000 करोड़ की लागत से कासगंज से बदायूं तक 56 किलोमीटर फोरलेन सड़क बननी है। काम शुरू कराया गया है। पांच प्रतिशत काम हो गया है। जबकि चौथे चरण में 38.5 किलोमीटर सड़क का काम शुरू कराने की तैयारी है। इसकी लागत 700 करोड़ है। फिलहाल पेड़ काटे जा रहे हैं। पूरे मार्ग का काम दिसंबर 2027 तक पूरा हो जाएगा। मथुरा से बरेली तक फोरलेन सड़क बन जाने के बाद बहुत कुछ बदल जाएगा। पहाड़ों और मथुरा-आगरा के लिए सैलानी इसी फोरलेन से होकर सफर करेंगे। बीच में कछला गंगाघाट और शूकर क्षेत्र सौरों का तीर्थ स्थल को भी नए आयाम मिलेंगे।

## त्योहारों पर परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर...रेलवे स्टेशनों की हर हलचल पर रहेगी नजर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बरेली जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। जीआरपी मुख्यालय की ओर से जंक्शन के लिए 25 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती की स्वीकृति दी गई है। यह अतिरिक्त बल 15 अक्टूबर से ड्यूटी पर सक्रिय हो जाएगा। जीआरपी अधिकारियों के अनुसार त्योहारों के दौरान बरेली जंक्शन पर यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, चोरी और जेबकतरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए अतिरिक्त फोर्स की जरूरत महसूस की गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslslive@gmail.com

## छह जगह लगेगी अस्थाई आतिशबाजी की दुकानें, दुकानदारों को जारी किए ये निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दीपावाली पर बरेली में अस्थाई रूप से आतिशबाजी बिक्री के लिए छह स्थान चिह्नित किए गए हैं। यह दुकानें तीन दिनों तक के लिए 19, 20 व 21 अक्तूबर को लगेगी। इसी तरह सदर तहसील क्षेत्र के कैंट, भोजीपुरा, रिठौरा, धौराटांडा में भी अस्थाई रूप लगेगी। आतिशबाजी सामग्री बिक्री दोपहर तक सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय को परीक्षण के लिए एसपी सिटी पास भेजा गया है। सिटी मजिस्ट्रेट अस्थाई दुकानों के लिए उनके लिए जा रहे थे, जो मंगलवार तक अधिकारियों से रिपोर्ट मिलते ही जाएंगे। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि शहर के जिन छह स्थलों पर आतिशबाजी सामग्री बिक्री के लिए दुकानें लगनी हैं, उसके संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है और लोगों को जानकारी भी दी जा रही है। दुकानदारों को मौके पर अग्निशमन के जरूरी उपकरण रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं दूसरी तरफ, सदर तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में आतिशबाजी सामग्री की बिक्री के लिए दुकानें लग रही हैं। इन दुकानों के लिए एसडीएम सदर के यहां दोपहर तक 60 लोगों ने आवेदन जमा किए थे। शहर में इन स्थलों पर लगेगी पटाखा दुकानें मनोहर भूषण इंटर कॉलेज का मैदान, प्रेमनगर। सदर बाजार में चर्च के पास थाना कैंट। रामलीला मैदान हार्टमैन कॉलेज, थाना प्रेमनगर। राजकीय इंटर कॉलेज बरेली। सुभाषनगर रेलवे मैदान थाना सुभाषनगर। तिलक इंटर कॉलेज का मैदान थाना किला। ग्रामीण क्षेत्रों में यहां लगेगी दुकानें ग्रामीण क्षेत्र में अस्थाई दुकानें करगौना की मीना मार्केट, कैंट क्षेत्र में दूरदर्शन केंद्र के सामने, नकटिया में पुलिस चौकी के पास और बिथरी चैनपुर में नलियावल में धर्मकांटा के पास लग रही हैं। इसी तरह भोजीपुरा में पीपलसाना चौधरी में, रठौरा में दरबारी इंटर कॉलेज मैदान पर, धौराटांडा और डोहरा रोड पर भी आतिशबाजी सामग्री बिक्री की अस्थाई दुकानें लग रही हैं। पिछली बार लगी थीं 150 दुकानें मुख्य अग्निशमन अधिकारी के मुताबिक, पिछले साल शहर के सभी सात स्थलों पर आतिशबाजी सामग्री की कुल 150 अस्थाई दुकानें लगी थीं। इस बार संख्या बढ़ने की उम्मीद भी उन्होंने जताई है। रामलीला मैदान हार्टमैन कॉलेज में पिछली बार 40 दुकानें थीं, जबकि इस बार 60-80 दुकानें लगने उम्मीद की है। इसी तरह इस्लामियां इंटर कॉलेज ग्राउंड में पहले 30 दुकानें लगी थीं, इस बार इसमें 10 से 20 तक की संख्या बढ़ने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि अस्थाई दुकान के लाइसेंस के लिए सबसे अधिक आवेदन मनोहर भूषण इंटर कॉलेज के मैदान के लिए आए हैं। यहां पर दुकान लगाने को लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों की संख्या 70 से भी अधिक बताई जा रही है।



से आतिशबाजी बिक्री के लिए दुकानें के अस्थाई लाइसेंस के लिए मंगलवार में 156 आवेदन आए थे। इन सभी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी के अलंकार अग्निहोत्री ने बताया कि कार्यालय में नौ अक्तूबर से आवेदन लिए गए थे। अब संबंधित आवेदकों को लाइसेंस जारी कर दिए

## श्री हरि मन्दिर मॉडल टाउन बरेली में बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया नंदोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन बरेली में परम पूज्य गीता मनीषी परम पूज्य श्री वेदांता नन्द जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य ब्रह्मचारी पूज्य श्री भोलानंद जी महाराज श्री वृंदावन धाम वालों के द्वारा चतुर्थ दिवस मंदिर प्रांगण में सत्संग वर्षा हुई। महाराज द्वारा भव्य स्वागत किया और दिव्य एवं ओजस्वी वाणी से भक्तजनों पर अपनी अमृतवाणी की व्याख्या सत्संग के माध्यम अवतारों का वर्णन हुआ। धाम से मनाया गया। महाराज मत्स्य अवतार, वमन कराया। भागवत भगवान की कथा हमे जीना सिखाती है, इसलिए हम सब को भागवत कथा का श्रवण कर के अपने मानव जीवन का कल्याण करना चाहिए। मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील अरोरा, सचिव रवि छाबड़ा,धीरज सेठी,संजय आनन्द, गोविन्द तेनेजा,रंजन कुमार,हरीश लुनियाल,राकेश कुमार आदि मौजूद रहे मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया परम पूज्य श्री भोलानंद जी महाराज की कथा 18 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक सत्संग की अमृत वर्षा करेंगे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनु छाबड़ा ने बताया कि पावन कार्तिक मास में महिला मंडल की सदस्यों द्वारा रोज प्रातः 5.30 बजे से 6.30 बजे तक सभी भगवानों की आरती हो रही है उसके पाश्चात्य पंडित जी द्वारा कार्तिक की कथा एवं महिमा का वर्णन किया जाता है, उपरांत सभी उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। यह पूरे प्रक्रिया पूरे कार्तिक मास तक चलेगी। श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति बरेली एवं श्री कृष्ण कृपा प्रचार समिति आप सभी भक्तजन को सादर सपरिवार आमंत्रित करती है।



जी के पधारने पर मंदिर समिति मालार्पण किया गया।अपनी बहुत ही सरलता की भाषा में की बौछार श्रीमद्भागवत गीता से कथा में आज भगवान के जिसमे नंदोत्सव बड़ी ही धूम जी ने कथा श्रवण कराते हुए वतार,रामावतार का श्रवण

## राशन कोटे पर बवाल कोटेदार पर भ्रष्टाचार और मारपीट के आरोप, ग्रामीणों ने मांगी निष्पक्ष जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के ग्राम पीपलसाना खातियान में सरकारी राशन वितरण को लेकर विवाद गहरात जा रहा है। ग्रामीणों ने कोटेदार नरेन्द्र सिंह पर भ्रष्टाचार, धमकी और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कोटेदार न केवल राशन में हेराफेरी कर रहा है, बल्कि शिकायत करने वालों को डराने-धमकाने से भी नहीं चूकता। जांच टीम पर भी उठे सवाल ग्रामीणों की शिकायत के बाद 09 अक्टूबर 2025 को दो सदस्यीय जांच टीम गांव पहुंची थी। टीम में भास्कर चौहान जांच अधिकारी के रूप में शामिल थे। ग्रामीणों का आरोप है कि टीम ने न तो शिकायतकर्ता चन्द्रभान को सूचित किया, न ही ग्राम प्रधान या बीडीसी को। जांच पूरी तरह बिना ग्राम प्रतिनिधियों की मौजूदगी में की गई, जिससे ग्रामीणों ने जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। ऊपर तक हिस्सा जाता है गल्ले में कोटेदार का कथित बयान शिकायतकर्ता चन्द्रभान ने बताया कि जांच के बाद कोटेदार ने उन्हें गालियां दीं और कहा मैं जो आधा किलो गल्ला कम देता हूं, उसमें ऊपर तक अधिकारियों को हिस्सा है। इसके अलावा, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 12 अक्टूबर 2025 को कोटेदार को बजरी से भरे कट्टों का वजन करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। ग्रामीणों ने वीडियो भी बनाया, जिसमें कोटेदार कथित रूप से फर्जी वजन पर्ची निकालते और दूसरे कांटे से राशन तौलते नजर आया। हमले का आरोप, पहले भी दर्ज हैं केस ग्रामीणों का कहना है कि जब वीडियो वायरल हुआ, तो कोटेदार ने चन्द्रभान और शिवम सिंह पर गालियां देते हुए डंडे से हमला करने की कोशिश की। आरोप है कि कोटेदार नरेन्द्र सिंह का स्वभाव दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ थाना भोजीपुरा सहित अन्य थानों में कई मामले दर्ज हैं। इससे पहले भी 12 सितंबर 2025 को मारपीट की एक रिपोर्ट थाना शेरगढ़ में दर्ज कराई गई थी। ग्रामीणों की मांग निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई ग्रामीणों ने जिलाधिकारी बरेली को प्रार्थना पत्र देकर मांग की है कि कोटेदार नरेन्द्र सिंह के खिलाफ निष्पक्ष न्यायिक जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक ऐसे भ्रष्ट कोटेदारों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक गांव में भयमुक्त वातावरण बहाल नहीं हो सकता।

**जिन हाथों को पीला करने की थी तैयारी... दादी के खून से ही लाल रंग डाले; पिता ने कहा-अब उनसे कोई रिश्ता नहीं**

गोरखपुर में कलावती हत्याकांड के खुलासे से हर कोई हैरान है। मां की हत्या के बाद बेटे ने कहा कि मैं अपनी बेटी खुशी के हाथों में मेंहदी रचाने की तैयारी में था, लेकिन अब सब खत्म हो गयागोरखपुर के पीपीगंज इलाके में भुईधरपुर गांव में कलावती हत्याकांड की गुत्थी सुलझने के बाद आरोपी खुशी के पिता परदेसी यादव बेहाल हैं। वह इस वारदात से टूट गए हैं। उन्होंने बताया कि छोटे भाई राजेश यादव की शादी के बाद बेटी खुशी के हाथ पीले करने की बात चल रही थी। कौन जानता था कि जिसके हाथों में मेंहदी रचाने की तैयारी थी, वह अपनी दादी के खून से ही उन्हें रंग डालेगी.. पत्नी उतरा व बेटी खुशी के जेल जाने के बाद उन्होंने दोनों का सारा सामान एक बक्से में पैक कर घर के कोने में रख दिया। उन्होंने कहा कि अब दोनों से कोई रिश्ता नहीं बचा। जिस बेटी पर गर्व था, उसी ने घर की लाज मिटा दी। जिस पत्नी को बेटी को समझाना चाहिए था, उसने खुशी का साथ दे दिया। अब सबकुछ खत्म हो चुका है।उधर, हत्या का पर्दाफाश होते ही गांव के लोग हैरान रह गए। किसी को भरोसा नहीं हो रहा कि 18 साल की एक लड़की इतनी निर्मम वारदात को अंजाम दे सकती है। पटीदार राकेश यादव का कहना है कि कलावती देवी बहुत मिलनसार थीं, सबके सुख-दुख में साथ देती थीं। कोई सोच भी नहीं सकता था कि उनकी अपनी पोती ही उनकी जान ले लेगी। उनके पास बैठे खुशी के पिता परदेसी की आंखें भर आईं। परदेसी ने बताया कि जब वह तीन साल की थी तो उसे पत्नी उतरा के साथ घर लाया था। उतरा पर बहुत भरोसा था। उससे बहुत प्यार करता था पर उसने भी बेटी का साथ दिया। उसे कभी माफ नहीं करेंगे। कलावती के छोटे बेटे राजेश ने कहा कि मां हमेशा खुशी को काम में हाथ बंटाने को कहती थीं, न मानने पर डांटती थीं। खुशी हमेशा शांत रहती थी। हमें कभी अंदाजा नहीं था कि वही हमारी मां की हत्या कर देगी। ये कहते हुए उनकी आंखें भर आईं। परिजनों द्वारा पड़ोसी युवक पर तंत्र-मंत्र व बली की आशंका जाहिर करने पर उसे हिरासत में लेकर पृच्छाछ की गई थी।

## प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए – 9027776991

संक्षिप्त समाचार

40 मकानों पर लगे निशान, चल सकता है बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। डेलापीर में नगर निगम के तालाब की जमीन पर कब्जा कर वर्षों पहले बनाए गए 27 मकानों, अटरिया में शाहबाद में जमीन पर मकानों पर ध्वस्तीकरण



महेशपुर चार और स्कूल की बने नौ अ ब की तलवार लटक गई है। अगर कब्जेदारों को कहीं से कोई राहत नहीं मिली तो दिवाली के बाद मकानों पर बुलडोजर चल सकता है। अगर नगर निगम हटाएगा कब्जा तो कब्जेदार से हटाने का भी खर्चा वसूला जाएगा। जब से नगर निगम ने नोटिस दिया है, तब से कार्रवाई को लेकर कई परिवार बेचैन हैं। उनका कहना है कि वह वर्षों से यहां रह रहे हैं। पाई-पाई जोड़कर मकान बनाए हैं। अब नगर निगम मकान खाली करने के लिए कह रहा है। निगम ने 15 दिन की मोहलत दी नगर निगम के संपत्ति विभाग ने नौ अक्तूबर को 40 मकानों पर नोटिस तालीम कराए। जिन लोगों ने नोटिस नहीं लिए, उनके मकान के बाहर नोटिस चस्पा किए गए हैं। नोटिस में 15 दिन का मौका दिया गया है। अगर इस अवधि में वे अपना निर्माण नहीं हटाते हैं तो अवैध कब्जा तो हटेगा ही। साथ में अवैध निर्माण को लेकर मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा।

सराफा दुकान में लगी भीषण आग, दूसरी मंजिल पर था परिवार, बाल-बाल बचा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के करीब चार बजे सराफा दुकान में भीषण आग लग गई, मच गया। मंजिल पर रह लो ग नीचे उतरकर गए। सूचना



जिससे हड़कंप दुकान की दूसरी रहे परिवार के आननफानन बाहर आए मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई। फायर ब्रिगेड ने पानी की बौछार कर आग बुझाई। पीड़ित सराफ ने कहा कि आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि बुधवार को तड़के करीब चार बजे राजेंद्र नगर स्थित शिव शक्ति ज्वैलर्स में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। सराफा दुकान के मालिक ब्रह्म वर्मा पुत्र शेरसिंह वर्मा का परिवार इसी दुकान की दूसरी मंजिल पर रहता है। धुआं निकलता देखकर सभी लोग आनन-फानन नीचे उतरकर बाहर आए और दुकान का शटर को खोला गया। दुकान में आग ने विकराल रूप ले लिया था। सूचना पर 112 पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई। टीम ने आग पर काबू पा लिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आग से करीब 20 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। अन्य कोई जनहानि नहीं हुई है।

त्योहार पर नहीं होगी आने-जाने में दिक्कत, मंडल की 651 बसें तैयार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दिवाली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए परिवहन निगम ने तैयारी पूरी कर ली है। यात्रियों को आने-जाने में कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसलिए रीजन की 651 बसें बुधवार से ऑन रोड रहेंगी। इसके लिए चालकों और परिचालकों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बिना कारण बताए गैरहाजिर होने पर कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों की भीड़ बढ़ने की संभावना के चलते बुधवार से बसों का संचालन फेरे बढ़ाकर किया जाएगा।आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि लोकल रूट की बसों के फेरे बदायूं, शाहजहांपुर, टनकपुर और पीलीभीत मार्ग पर बढ़ाए गए हैं, जबकि दिल्ली और लखनऊ जैसे व्यस्त रूटों पर चलने वाली रोडवेज की बसें, जो वर्तमान में दो फेरे लगाती हैं, उनके फेरे बढ़ाकर चार किए जा रहे हैं। कहा कि यह निर्णय यात्रियों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इसके अलावा, यदि किसी अन्य रूट पर यात्रियों की संख्या अधिक होती है तो स्टेशन अधीक्षक या संबंधित डिपो के एआरएम दूसरी बसों को भी यात्रियों की सेवा में लगा सकते हैं। आरएम के मुताबिक दिवाली पर्व पर यात्रियों को असुविधा न हो और पर्याप्त बसों का संचालन हो इसके लिए चालक और परिचालकों की छुट्टियां रद्द करते हुए अनुपस्थिति पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा रीजन के चारों डिपो सेटेलाइट बस अड्डे पर एआरएम रहेलखंड, पुराने रोडवेज पर एआरएम बरेली डिपो व बदायूं व पीलीभीत के एआरएम को निर्देश दिए हैं कि वह अपने-अपने बस अड्डों पर उपस्थित रहें।



## एसआरपी इंटर कालेज कोंच में महिला मिशन शक्ति को लेकर कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/कोंच(जालौन) जालौन के पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे महिलाओं ए व बालिकाओं के सुरक्षा सम्मान हेतु मिशन शक्ति फेज 05 के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी कोंच परमेश्वर प्रसाद प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह के नेतृत्व में कोंच की एंटी रोमियो टीम /महिला मिशन शक्ति टीम के प्रभारी दरोगा भीमपाल सिंह यादव और महिला उपनिरीक्षक भारती सिंह महिला आरक्षी कुमकुम यादव महिला आरक्षी अर्चना केशरवानी द्वारा नगर के एसआरपी इंटर कालेज कोंच में जाकर बालक बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर जैसे व्मैन पावर लाइन 1090 महिला हेल्पलाइन 181 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 एंबुलेंस सेवा 108 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 स्वास्थ्य सेवा 102 साइबर हेल्प लाइन 1930. व पुलिस सहायता 112 आदि नंबर के बारे में विस्तृत जानकारी देकर सभी बालक,बालिकाओं को इन सभी को समझाया गया। एवं उनकी समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर कालेज के शिक्षक और छात्र छात्राएं मौजूद रही

## नगरिया खुर्द कला के ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार की उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से लखनऊ में बैठक, अस्पताल निर्माण व सिंचाई विभाग की जमीन पर चर्चा।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत/ तहसील कलीनगर के गांव नगरिया खुर्द कला के ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से लखनऊ में महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस दौरान अपने क्षेत्र में अस्पताल बनाने की योजना पर गहराई से चर्चा हुई। साथ ही 1171 एकड़ सिंचाई विभाग की जमीन, जो अब राजस्व विभाग में स्थानांतरित हुई है, पर भी विस्तार से हालात पर विचार-विमर्श किया गया। ग्राम प्रधान ने जोर देकर कहा कि जहां जो भी अधिकारी या व्यक्ति जमीन पर बैठे हैं, उन्हें उनके स्थान पर मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। इस विषय पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत संबंधित विभागों को आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश दिए और ग्राम प्रधान को आश्वासन भी दिया इस बैठक से कलीनगर क्षेत्र में विकास के नए दरवाजे खुलने की उमंग पैदा हुई है। खासकर अस्पताल के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद बढ़ी है, वहीं सिंचाई विभाग की जमीन का सही उपयोग सुनिश्चित कर किसानों को फायदा होगा।

## वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार, आठ बाइक बरामद

बरेली के आंवला थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर आठ बाइक बरामद की गई हैं। ये बाइकें अलग-अलग जिलों से चोरी कर लाई गई हैं। बरेली जिले में आंवला थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले छह शातिरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से चोरी की आठ बाइक बरामद हुई हैं। इसमें से एक बाइक अभी तीन दिन पहले आंवला के मोहल्ला गंज पुरैना ढाल से चोरी की गई थी। आरोपियों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए बाइकों को मनौना गांव में बंद पड़े ईट भट्टे में छिपाया था। बुधवार दोपहर को थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी नितिन कुमार ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से बाइक चोरों के गिरोह के मूवमेंट की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने आंवला-बिसौली रोड पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान आंवला की ओर से तीन बाइकों पर सवार छह लोग आते दिखाई दिए। तीनों बाइकों को रोककर पूछताछ के बाद ई-चालान ऐप पर जांच की गई तो बाइकें चोरी की निकली। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने तीनों बाइकों को मुरादाबाद, बरेली व शाहजहांपुर से चोरी करने की बात स्वीकार की। बंद ईट भट्टे में मिली पांच बाइकें इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर मनौना गांव के पास बंद पड़े ईट भट्टे से चोरी की पांच और बाइक भी बरामद हुईं। आरोपियों ने बताया कि इन बाइकों के बित्री के बाद छिपाई गई बाइकों को भी ग्राहक खोजकर बेच देते। जो पैसा मिलता है। आपस में बांट लेते थे। पकड़े गए आरोपियों में आकाश, महेंद्र निवासी लक्ष्मणपुर, थाना आंवला, मुकेश व कमरुद्दीन हरदासपुर थाना सिरौली, असलम व सलमान निवासी गांव रूद्रपुर थाना खीरी शामिल हैं। आरोपियों पर पहले से कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां उन्हें जेल भेज दिया गया।



## तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं प्राईवेट व्यक्तियों द्वारा की जा रही अनावश्यक धन उगाही के मामले में अमरिया बार एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को दिया शिकायती पत्र, पेशकार राकेश कुमार के यथाशीघ्र स्थानान्तरण की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / जिले की तहसील अमरिया में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं प्राईवेट व्यक्तियों द्वारा की जा रही अनावश्यक धन उगाही के मामले में अमरिया बार एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को दिया शिकायती पत्र सौंप कर पेशकार राकेश कुमार के यथाशीघ्र स्थानान्तरण और साथ रही अनावश्यक धन उगाही के हटाने की मांग की। जिलाधिकारी अधिवक्ताओं ने बताया की अधिवक्तागण दिनांक में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलते दिनांक 10.10.2025 को ने बार एसोसिएशन के सम्मानित अपने कार्यालय में वार्ता करने पेशकार राकेश कुमार कार्यालय कारण के उपजिलाधिकारी के हबीब अहमद खाँ से अभद्र चिन्नाते हुये बोले कि तुम धरना करके क्या कर लोगे जैसा हम चाहेंगे तहसील वैसे ही चलेगी, न तो प्राईवेट व्यक्ति हटेंगे और न ही किसी का पटल बदला जायेगा। अधिवक्ता हबीब अहमद खाँ ने जैसे ही पेशकार राकेश कुमार को समझाने का प्रयास किया तभी राकेश कुमार अभद्र व्यवहार करते हुये अपनी कुर्सी से खड़े हो गये और तहसील में मौजूद सभी कर्मचारी व लेखपालों व कानूनों को कार्यालय में बुला लिया और राकेश कुमार अधिवक्ता हबीब अहमद खाँ से मारपीट पर उतारू हो गये और तहसील के समस्त कार्यालय बन्द कराने लगे। शोर की आवाज सुनकर हम समस्त अधिवक्तागण उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गये और भीड़ में से मुश्किल से अधिवक्ता हबीब अहमद खाँ को बाहर निकालकर लाये। इससे पूर्व में राकेश कुमार इच्छाबाकु पुत्र चारुदत्त सिंह, निवासी गजरौला के साथ भी अपने साथियों के साथ मिलकर गाली-गलौज व मारपीट कर अपने कार्यालय में बन्द कर लिया था. जिसकी जाँच विचाराधीन है। उपरोक्त राकेश कुमार का व्यवहार अधिवक्ताओं एवं आम जनता के प्रति व्यवहार हमेशा से बेहद खराब रहा है। अपने कार्यालय में बैठकर किसी भी व्यक्ति से बिना गाली के बात नहीं करते हैं और खुलेआम गन्दी गन्दी गालियां देते हैं तथा बिना रिश्त के कोई भी नया वाद या प्रार्थना पत्र, प्रारम्भिक डिक्री व अन्तिम डिक्री व आदेश नहीं बनाते हैं, इसी कारण इनका स्थानान्तरण राकेश कुमार ने अपनी राजनैतिक पहुंच के कारण दोबारा से तहसील अमरिया में स्थानान्तरण करा लिया और खुलेआम कहते हैं कि जब तक चाहूंगा, तहसील अमरिया में नौकरी करूंगा और कोई भी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। पेशकार राकेश कुमार के कारण अमरिया तहसील में न्यायिक कार्य नहीं हो पा रहा है। इसलिए न्यायहित में पेशकार राकेश कुमार का यथाशीघ्र तहसील अमरिया से स्थानान्तरण करने का आदेश पारित करते हुये प्राईवेट व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से तहसील परिसर से हटाया जाये। इस मौके पर अमरिया बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम तनवीर अंसारी, उपाध्यक्ष शांतिस्वरूप गंगवार, कोषाध्यक्ष तसलीम समेत अन्य अधिवक्ता गण मौजूद रहे।



ही प्राईवेट व्यक्तियों द्वारा की जा मामले में को तत्काल प्रभाव से को दिये शिकायती पत्र में तहसील अमरिया में समस्त 09.10.2025 से तहसील अमरिया शान्तिपूर्ण धरने पर बैठे हैं, जिसके श्रीमान उपजिलाधिकारी अमरिया अधिवक्ता हबीब अहमद खाँ को हेतु बुलाया था। वार्ता होते समय में आकर बैठ गये और बिना किसी समझाने के बाबजूद अधिवक्ता व्यवहार करते हुये जोर-जोर से

## जन्मदिन से एक दिन पहले मार डाली बेटी: मां ने मासूम को फंदे पर लटकाया, खुद भी देनी चाही जान; महिला ने बताई वजह

गांधीनगर में पति से फोन पर हुए विवाद के बाद महिला ने एक साल की बेटी को फंदे पर लटकाकर मार डाला। इसके बाद खुद भी आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन बच गई। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है।महोबा जिले के गांधीनगर में पति से फोन पर हुए विवाद के बाद महिला ने एक वर्ष की बेटी को फंदे पर लटका दिया, इससे मासूम की मौत हो गई। इस दौरान महिला ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन वह बच गई। जन्मदिन से एक दिन पहले मासूम की जान लेने की इस घटना से हर कोई हैरान है।पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। सुभाषनगर निवासी खुशबू (33) की शादी 8 जुलाई, 2022 को कस्बा चरखारी निवासी अरविंद से हुई। शादी के दो साल बाद ही दोनों को एक बेटी हुई, जिसका नाम उन्होंने ऋषिका रखा। शराब पीकर पति के मारपीट करने पर पांच माह पहले खुशबू मायके आ गई थी।मासूम बेटी को फंदे पर लटकाया- सुबह पति से मोबाइल पर बातचीत के दौरान कहासुनी हो गई। पति ने तलाक देने और बेटी को ले जाने की बात कही। इसके बाद महिला ने कमरे में जाकर पहले मासूम बेटी को फंदे पर लटकाया और फिर खुद फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की, लेकिन वह बच गई जबकि मासूम की मौत हो गई। शराब पीकर बेटी को मारता-पीटता था- खुशबू की मां उमरानी ने बताया कि दामाद अरविंद बेरोजगार है। अक्सर शराब पीकर बेटी को मारता-पीटता था, जिससे परेशान होकर खुशबू बेटी के साथ मायके में थी। पति की प्रताड़ना के चलते उसकी मानसिक स्थिति भी खराब हो गई थी। उसका इलाज चल रहा था। पति से फोन पर झगड़ा होने के बाद बेटी ने यह कदम उठाया।आरोपी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ- मासूम की हत्या के बाद खुशबू ने अपने भाई पवन से कहा कि मैंने बिट्ठो को जान से मार दिया है। पुलिस बुला लो। तब परिजनों को घटना की जानकारी हुई। अपर एसपी वंदना सिंह का कहना है कि आरोपी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## पशु प्रदर्शनी में छाए जोरावर और बलवान, लाखों की कमाई करने वाले सांड-भैंसे को देखने उमड़ी भीड़

मेरठ के मोदीपुरम में किसान मेले के दौरान आयोजित पशु प्रदर्शनी में सांड जोरावर और भैंसा बलवान आकर्षण का केंद्र बने रहे। दोनों के सीमन से मालिक हर महीने लाखों रुपये कमाते हैं। दूसरे राज्यों से आए पशु पालकों ने भी प्रदर्शनी में अपने पशु दिखाए। मेरठ के मोदीपुरम स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय किसान मेले की पशु प्रदर्शनी में इस बार सांड जोरावर और भैंसा बलवान चर्चा में रहे। दोनों को देखने के लिए किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। इनकी कीमत और कमाई सुनकर लोग हैरान रह गए।जोरावर की उम्र चार साल है और वजन करीब 16 क्विंटल। उसके सीमन से हर महीने लगभग चार लाख रुपये की कमाई होती है। सालभर में यह आंकड़ा 55 से 60 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के सुनरिया गांव निवासी पशुपालक नसीब ने बताया कि जोरावर संकर नस्ल के सीमन से तैयार गाय का बछड़ा है। यह होल्स्टीन फ्रीजियन संकर नस्ल का सांड है। उन्होंने बताया कि जोरावर की मां भी रिकॉर्डधारी रही है और वह रोजाना 67 लीटर दूध देती है। इस प्रदर्शनी में हुई प्रतियोगिता में जोरावर को सांड श्रेणी में चैंपियन घोषित किया गया। वहीं, भैंसा बलवान की बात करें तो वह पूर्व चैंपियन युवराज का बेटा है। बीबीनगर निवासी बलवान की कीमत करीब साढ़े सात करोड़ रुपये बताई जा रही है। उसकी उम्र छह साल है और सीमन के जरिए वह भी अपने मालिक को लाखों की आय दिलाता है। मेले में हरियाणा, पंजाब, मुजफ्फरनगर, गुरुग्राम और अन्य जिलों से भी पशुपालक अपने पशु लेकर पहुंचे। किसान प्रदर्शनी में जोरावर और बलवान को देखने के लिए उत्साहित नजर आए।



### संक्षिप्त समाचार

## बार बार जुखाम होना प्रमुख कारण एलर्जी डा गौरव सिंह यादव

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) श्री नीलकंठ आयुर्वेद क्लिनिक एट के संचालक डॉ गौरव सिंह यादव ने एक जानकारी में बताया बार जुखाम होना कारण है इस बनाने वाले पॉलीसे से नाक की दीवारों पर दबाव लक्षण नाक बंद हुई नाक खांसी सिर दर्द गंध और स्वाद की कम भावना साइनस दबाव छींक आना गले के नीचे तक फ्लूड का बहना आँखों के आस पास खुजली होना क्रोनिक साइनस संक्रमण आयुर्वेदिक चिकित्सा नासा रोगों की संप्राप्ति में प्रमुख दोष कफ के साथ अल्प वात और अल्प पित्त और दुष्य त्वक, मांस , मेद के साथ जल बाहुल्यता है। इसलिए उपरोक्त रोग जनन को तोड़ ने के लिए रोगी को शमन चिकित्सा के साथ नस्य (प्रतिमर्श नस्य)करनी होती है डॉ गौरव सिंह ने बताया है कि इस बदलते मौसम में धूल धुंआ ज्यादा उड़ रहा है और घरों घरों में साफ सफाई आदि हो रही है इस कारण इस धूल और धुंआ के कारण लोगों में सर्दी जुखाम बुखार खांसी हो रही है इस कारण लोगों को एलर्जी हो रही है उन्होंने कहा कि लोगों को इस मौसम में धूल धुंआ से दूर रहना होगा साथ ही डिस्टेंपर और पेंट की खुशबू भी इस एलर्जी का कारण है उन्होंने दूर रहने की सलाह दी और सावधानी बरतने की बात कही है

## पुलिस ने पच्चीस हजार रुपये का इनामिया बदमाश को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव पुलिस ने एक पच्चीस हजार रुपये का इनामिया अपराधी को पुलिस गिरफ्तार किया है मिली जानकारी में बताया गया है कि इस अपराधी ने एक नाबालिग लडकी के साथ बलात्कार की घटना कारित की थी जिसका मुकदमा अपराध संख्या 108/ 2025 धारा 64/ 351(2) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट सहित सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत था और इस संबंधित आरोपी के ऊपर पच्चीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था इस संबंध में कोंच क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि यह आरोपी कृष्ण बिहारी निरंजन उर्फ कछू पुत्र सूरज प्रसाद निवासी ग्राम खैराई जिसके ऊपर पास्को एक्ट सहित बलात्कार की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत था तथा पुलिस अधीक्षक के द्वारा पच्चीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था जिसको नदीगांव के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिंह चौहान आदि की टीम ने उसे कोंच रोड अखनीवा मोड प्रतीक्षालय से गिरफ्तार किया है और उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही कर जेल भेजा जा रहा है



## राष्ट्रीय साइबर जागरुकता अभियान माह के तहत साइबर थाना पुलिस द्वारा पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेंद्र कुमार पांडेय / राष्ट्रीय साइबर जागरूकता अभियान माह के तहत पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच के आदेश के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच ग्रामीण के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी महोदय तथा सहायक नोडल अ धि क ा र ी / क्षेत्राधिकारी के कुशल पर्यवेक्षण में पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, थाना क्षेत्र कोतवाली देहात, बहराइच में लगभग 200-250 स्कूल के बच्चों तथा अध्यापकगणों को मोबाइल फोन व सोशल मीडिया पर बने आई-डी को टू-स्टेप वेरीफिकेशन व मोबाइल में इंस्टाल महत्वपूर्ण एप्स में कठिन पासवार्ड लगाने तथा मोबाइल में आने वाले लिंक्स व एपीके फाइल्स से बचने व अन्य साइबर फॉड इत्यादि से बचाव हेतु एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त निर्देशों से भली भांति अवगत कराकर जागरूक किया गया व स्वयं के साथ-साथ अपने आस-पास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु बताया गया। किसी के साथ होने साइबर फ्राड होने पर नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के टोल फ्री नं0 1930 व ऑफिशियल वेबसाइट cybercrime.gov.in के प्रयोग के बारे बताया गया व छात्र /छात्राओं द्वारा साइबर सम्बन्धी पूछे गये सवालों का जवाब दिया गया । पुलिस टीम का विवरण- 1. प्रभारी निरीक्षक श्री रणजीत यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, बहराइच।

## राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य ने विकास भवन में जनसुनवाई कर महिलाओं की समस्याएं सुनीं।

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य श्रीमती अर्चना पटेल ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान जनपद की विभिन्न तहसीलों और गांवों से आई महिलाओं ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं।



जनसुनवाई कार्यक्रम में मा0 सदस्य ने पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही मौजूद संबंधित अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। कई मामलों में तो तत्काल अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की गई और पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया गया। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, देहेज प्रताड़ना, पारिवारिक

विवाद, भरण-पोषण, कार्यस्थल पर उत्पीड़न तथा जमीन-जायदाद से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों की पूरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे अन्याय के खिलाफ खड़ी हो सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोग महिला उत्पीड़न के किसी भी मामले को हल्के में नहीं लेता और हर शिकायत पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी मामले में लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। अगर किसी पीड़िता को न्याय दिलाने में देरी हुई तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई महिलाएं अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं, जिसके चलते वे शोषण का शिकार हो जाती हैं। ऐसे में जरूरी है कि महिला कल्याण विभाग, पुलिस प्रशासन और स्थानीय संस्थाएं मिलकर जागरूकता अभियान चलाएं। मा0 सदस्य ने कहा कि महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी इसी तरह के जनसुनवाई कार्यक्रमों के माध्यम से पीड़िताओं को न्याय दिलाने का कार्य करता रहेगा। उन्होंने यह भी अपील की कि कोई भी महिला अन्याय सहने की बजाय, आगे आकर अपनी बात रखे, आयोग उनके साथ है। इस अवसर पर प्रभारी प्रोबेशन अधिकारी निशान्त पाण्डेय, सीओ सिटी अर्चना सिंह, डीपीओ शरद अवस्थी आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे

## जिलाधिकारी की सख्त कार्यवाही, विकास योजनाओं में ढिलाई पर 13 अधिकारियों का वेतन रोका

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही एवं शिथिलता पर कार्यवाहीशासन जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं नोडल अधिकारी निर्माण कार्यों की समयबद्ध पूर्ण हेतु नियमित करें निगरानी शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन स्थित विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान गई। अर्पेक्षित प्रगति न मिलने और कार्यों में लापरवाही अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के साथ 7 अधिकारियों का कहा कि शासन द्वारा आमजन के कल्याण के लिए अनेक अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे योजनाओं को स्पष्ट कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन किया जाएगा। समीक्षा के दौरान विद्युत विभाग में खराब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोस्टर अनुसार विद्युत आपूर्ति न ग्राम्य विकास विभाग में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास संतोषजनक न पाए जाने पर परियोजना निदेशक का वेतन 108 एंबुलेंस सेवाओं, टैली रेडियोलॉजी, बायोमेडिकल खराब पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी का वेतन कायाकल्प, पीएम पोषण, निपुण आकलन परीक्षा और विद्यार्थियों की उपस्थिति में लापरवाही पाए जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का वेतन रोका। इसी प्रकार पशुधन विभाग में निराश्रित गोवंश संरक्षण की प्रगति पर नाराजगी जताते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी का वेतन रोका गया। महिला एवं बाल विकास विभाग में निराश्रित महिला पेंशन और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की धीमी प्रगति पर प्रभारी प्रोबेशन अधिकारी का वेतन रोका। लोक निर्माण विभाग में सड़कों और सेतुओं के निर्माण एवं अनुरक्षण कार्यों में सुस्ती पाए जाने पर तीन अधिशासी अभियंताओं का वेतन रोका गया। समीक्षा के दौरान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की ओडीओपी टूलकिट और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति भी निराशाजनक पाई गई, जिस पर उपायुक्त उद्योग का वेतन रोका गया। फैमिली आईडी बनाने की प्रगति खराब होने पर उप कृषि निदेशक, समाज कल्याण अधिकारी और प्रोबेशन अधिकारी की निष्क्रियता पर भी कार्यवाही वेतन रोका गया। पंचायती राज विभाग की योजनाओं में प्रगति धीमी रहने पर जिला पंचायत राज अधिकारी का वेतन रोका गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) प्रेमचंद मौर्य, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी निशान्त पाण्डेय तथा डीएसटीओ नीरज चौधरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



## फर्टिलाइजर एवं पेस्टीसाइड्स एसोसिएशन अमरिया ने डिस्ट्रीब्यूटर के द्वारा ओवर रेट की समस्या के सम्बन्ध में जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / तहसील अमरिया के डिस्ट्रीब्यूटर के द्वारा ओवर रेट की समस्या के सम्बन्ध में फर्टिलाइजर एवं पेस्टीसाइड्स एसोसिएशन अमरिया के तहसील अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की और इस मिली भगत में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की मांग की है। जिलाधिकारी को दिये ज्ञापन? में कहा गया है कि सहकारी समिति में यूरिया की बिक्रीदर ₹0 267/- है, जबकि प्राईवेट डीलरो के लिये यूरिया 260+ भाड़ा दी जा रही है, साथ में अपना पॉवर से 135/-₹0 प्रतिकिलो प्रत्येक यूरिया बोरी के साथ दिया जा रहा है। वही डी0ए0पी0 का सहकारी भाव ईफको के द्वारा 1350/-₹0 है। जबकि प्राईवेट दुकानदारो को 1500/-₹0 से लेकर 1530/-₹0 दी जा रही है, जिसको लेकर सभी डीलरों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। जिला कृषि अधिकारी के द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाये कि यदि कोई किसान आधार कार्ड लेकर आता है और उसके नाम जमीन नहीं है, तो उसका कैसे पता लगेगा। यदि यूरिया पर कोई टैकिंग नहीं है तो डिस्ट्रीब्यूटर के द्वारा डीलरों को टैकिंग क्यों कर रहे हैं। साथ ही डिस्ट्रीब्यूटर से मिली भगत में अधिकारी भी संलिप्त हैं, जो इनके खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। जिससे सभी डीलर भाईयों को इन सभी दिक्कतों का सामना पड रहा है। डिस्ट्रीब्यूटरों के द्वारा ग़्रोथ प्रमोटर भी दिया जा रहा है, जबकि सरकार इन पर प्रतिबन्ध लगा रही है. जैसे ह्यूमिक, जाईम आदि। जिला कृषि अधिकारी के द्वारा ऐसे प्रोडक्ट्स कम्पनी को अनुमति स्वीकार करती है जबकि डीलरो को दुकान पर जॉच कराई जाती है, जो प्रोडक्ट्स बाजार में नहीं बिकने हैं, उन पर पूर्णतयः प्रतिबन्ध लगाया जाये।

## छात्रों को पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी दी गई जानकारी, विधालय में जल्द होगा इको क्लब टीम का गठन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / विधालय में छात्र-छात्राओं को पर्यावरण सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई है और जल्द ही विधालय में %इको क्लब% का गठन किया जाएगा। जिसका उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में शामिल करना है। यह क्लब पौधरोपण, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और अन्य पर्यावरण-अनुकूल पहलों पर काम करेगा, जिससे बच्चों में सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा होगी। मंगलवार को नेशनल इन्टर कालेज सरैंदा पट्टी अमरिया पीलीभीत में सुबह प्रार्थना प्रांगण में इको



क्लब इन्चार्ज नन्द किशोर वर्मा ने बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी दी। उन्होने बच्चों को बताया कि वातावरण को अनुकूलित बनाये रखने के लिए कम से कम प्लास्टिक, पॉलीथीन का प्रयोग करे और अपने अभिभावकों व आस पास के परिचितों को भी पर्यावरण सुरक्षा सम्बंधी जानकारी प्रदान करे। नन्दकिशोर वर्मा ने आगे कहा इस समय धान की कटाई चल रही किसान फसल के अवशेष पराली को खेतो में ही जला देते है। जिससे पर्यावरण मे आवांछित गैसों की मात्रा जैसे कार्बन डाइ आक्साइड, के क्लोरोफ्लुओरो कार्बन इत्यादि बढ़ रही है। जिससे हमारे वायुमण्डल के समताप मण्डल ने उपस्थित ओजोन परत की क्षय होने की दर बढ़ती है। जिस कारण हमारी प्रथ्वी पर तरह तरह के रोगों के बढ़?ने की सम्भावना भी बढ़ जाती है और तापमान में भी वृद्धि होती है। उन्होने यह भी बताया कि जिस प्रकार लाखों वर्ष पहले अनेको विशालकाय जीव जैसे डायनासोर पर्यावरण अनुकूलित न होने के कारण प्रथ्वी से विलुप्त हो गये। जिसकी तुलना में मनुष्य तो बहुत सूक्ष्म प्राणी है इसलिए हमे पर्यावरण को सुरक्षित रखना है जिससे हमारी भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने यह भी बताया कि हम जल्द ही अपने विधालय में इको क्लब टीम का गठन करेंगे। जिसमें प्रत्येक कक्षा के बच्चो की सहभागिता रहेगी जो पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी प्रत्येक अभिभावक व गाँव के लोगों एक पहुंचाने का कार्य करेंगे। नेशनल इंटर कॉलेज के शिक्षक और इको क्लब इन्चार्ज नन्द किशोर वर्मा ने इको-क्लब की गतिविधियाँ के बारे में बताया कि इसके अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता अभियान जिसमें पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए स्कूलों में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। बच्चों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाएगा और उन्हें इसके फायदे बताए जाएंगे। पोस्टर, स्लोगन, निबंध और भाषण जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। स्कूल और आसपास के इलाकों की स्वच्छता और कचरा प्रबंधन पर ध्यान दिया जाएगा। छात्रों को जल बचाने और वर्षा जल संचयन जैसी गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। इस अवसर विद्यालय के प्रधानाचार्य व सभी शिक्षक एवं स्टाफ मौजूद रहा।

## संक्षिप्त समाचार 01 नाजायज देशी तमंचा 12 बोर व 01 जिंदा कारतूस 12 बोर के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय / बहराइच – पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध की रोकथाम व अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय(ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी महसी महोदय के निर्देशन में थानाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ मोर्या के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अभियुक्त टीटू उर्फ नसीम



पुत्र शौकत निवासी ग्राम कन्दौसा थाना बौण्डी जनपद बहराइच को एक अदद नाजायज देशी तमंचा 12 बोर व 01 अदद जिंदा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । बरामदगी/ गिरफ्तारी के आधार थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 209/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की

## पीलीभीत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अमरिया में साइबर जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देश पर थाना अमरिया की साइबर/मिशनशक्ति टीम ने कस्बा अमरिया के द ग्रेट इंटर कॉलेज के छात्रों के साथ मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के



प्रति जागरूक किया। छात्रों ने ऑनलाइन ठगी, जैसे फिशिंग कॉल, फेक लिंक, ओटीपी फ्रॉड और ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी टीम ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर क्राइम ऐप के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन हेतु महिला हेल्पलाइन 1090, 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, 108, व चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में भी बताया गया ताकि आमजन सुरक्षित रह सके। कुल मिलाकर यह अभियान लोगों को डिजिटल व असली जीवन दोनों में सुरक्षित रखने के लिए काफी मददगार साबित हो रहा है।

## दिवाली को लेकर कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक बुलाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज बुधवार को अगामी त्यौहारों जैसे दीवाली धनतरेसे भैया दोज आदि को ले क र कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई इस बैठक में एसडीएम ज्योति सिंह और सीओ



परमेश्वर प्रसाद मौजूद रहे त्यौहारों को लेकर साफ सफाई रोशनी पानी आदि को लेकर चर्चा की गई और सम्बंधित अधिका रियों को दिशा निर्देश दिये गये इस अवसर पर कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने कहा कि त्यौहारों शांति सद्भाव के साथ मनाये अगर कोई व्यक्ति अशांति फैलाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्य वाही की अमल में लाई जावेगी इस बैठक में कोतवाली के एसएसआई विमलेश कुमार सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार खेड़ाचौकी के प्रभारी शिव नारायण वर्मा दरोगा भीष्म पाल सिंह यादव शहर काजी बशीरउद्दीन उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय लोहिया प्रधान बिरगुवा रवि गौतम सभासद बादाम सिंह कुशवाहा सभासद शादाब अंसारी सभासद शमसुद्दीन मंसूरी सपा नेता नत्रू कुरैशी कांग्रेस के नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी सभासद परशुराम वर्मा व्यापारी नेता राम जी गुप्ता देवगांव वाले अखंड प्रताप सिंह पवन यज्ञिक राजेंद्र विश्वकर्मा मुहम्मद अहमद संतोष सोनी अली जावेद आदि लोग मौजूद रहे इस बैठक में सूचना के अभाव में नगर के गणमान्य लोग कम संख्या में आये

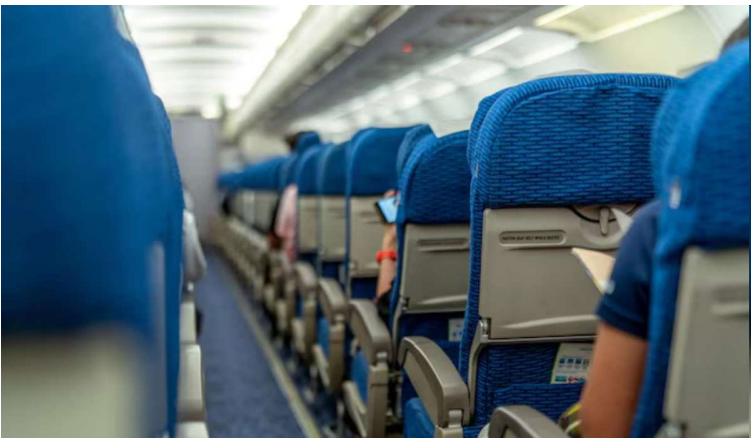
# Why does your throat become hoarse with a cold or cough? Guaranteed, you don't know the scientific reason.

Have you ever wondered why your voice changes when you have a cold or flu? Sometimes it becomes completely unrecognizable, or it becomes very slow and hoarse. During this time, your vocal cords, which vibrate with air to produce sound, become inflamed. Let's explain this in simple terms in this article. Coughs and colds cause swelling of the vocal cords. As a result, your voice may sound hoarse or muffled. Taking a few precautions can help alleviate this problem. Have you ever noticed that when you're suffering from a cold or flu, your voice suddenly becomes hoarse, raspy, or discordant? As if someone else's voice is coming from your throat? This isn't a trivial matter, but rather the result of a fascinating process taking place within the body. Throat inflammation is the most common cause. When a cold or viral infection infects the body, its effects aren't limited to the nose or throat. The vocal cords, or vocal cords, that produce sound are also affected. These vocal cords are located in your throat and vibrate as air passes through them, producing sound. When they become inflamed—a condition medically known as laryngitis—they become thick and heavy. As a result, their vibration slows down, and the voice sounds deep or hoarse. Constriction also affects the throat: The mucus that accumulates during a cold can also alter your voice. This layer clogs the vocal cords, preventing them from vibrating freely. This is a major cause of hoarseness or a different tone. Sometimes, even after the cold is cured, if the mucus persists for a long time, it may take longer for the voice to return to normal. Coughing increases discomfort - When we have a sore throat, we often try to cough or clear our throat. But this habit can have the opposite effect. Doing so increases pressure on the vocal cords and strains them. As a result, the voice becomes more tired or hoarse. Why does the voice sound hoarse? - When the vocal cords swell, their size and thickness increase. This is similar to how a thick guitar string produces a deeper sound. This means that swollen vocal cords vibrate more slowly and their vibration frequency decreases, making the voice sound hoarse. Simple ways to get relief - To quickly heal your voice, you can follow some effective tips: Drink plenty of water throughout the day and, if possible, use a room humidifier. This reduces throat inflammation and thins mucus. It is very important to give your throat real rest. Even speaking softly or whispering tires the vocal cords, so it is best to remain completely silent for some time. If your voice doesn't improve after two to three weeks, it could be a sign of a deeper problem, such as a cyst on the vocal cords or acid reflux.



# Do you know why there's no 13th seat on flights? Superstition or science?

If you've ever paid attention to airplane seats, you might have noticed that many airlines don't have a 13th seat. But do you know the reason? There's a very interesting reason behind this, one you should know. In many cultures, the number 13 is considered unlucky. Many airlines don't have a 13th row. There are similar beliefs about many other numbers besides 13. If you carefully examine the seat numbers while traveling by row. Row 12 is followed directly by 14th. Have you ever there a compelling reason behind it? Let us tell you that interesting reasons. The 'unlucky' history of the number 13 prevalent in many parts of the world. In 'triskaidekaphobia'. In fact, its roots lie in Christian appeared at The Last Supper. Norse mythology also fear has even impacted areas like travel, where safety is a can be quite stressful, especially for passengers with a fear comfortable as possible during their travels. In such a mind, it is wise for companies to remove that number. This want a seat to remain vacant or for passengers to be row, airlines avoid the risk that a passenger will refuse to sit in that seat or seek another flight. This becomes even more important, especially in international travel, where passengers come from different cultural backgrounds. Why only 13? - Interestingly, this practice is not limited to the number 13. In countries like Italy and Brazil, the number 17 is considered unlucky. This is because the way the number 17 is written in Roman Latin means "I have lived my life." Therefore, they consider this number unlucky.



plane, you'll notice a strange thing: most airlines don't have a 13th tried to figure out the reason for this? Is it just a coincidence, or is this is not a coincidence, but a deliberate decision, behind which lies 13 - The main reason behind this is the superstition surrounding the Western culture, 13 is considered unlucky. This fear is called tradition, where Jesus Christ was crucified after the 13th person mentions a negative incident involving the number 13. This deep-seated top priority. Why do airlines follow these rules? - Traveling by plane of flying. Airlines want their customers to feel as relaxed and situation, if a seat number can create a sense of fear in a passenger's is a psychological trick and also a business decision. No airline would reluctant to take it simply because of a number. By removing the 13th

# A healthy relationship is marked not only by love, but also by petty arguments.

Do you also think that a healthy relationship is all about love, romance, and mutual appreciation? If the answer is yes, then you too are a victim of a grave misconception. In fact, movies and social media have shown us reality is quite different. A relationship boring. A little Meanwhile, it's important stories that a relationship is real life, relationships go considered that a healthy by some banter and people understand each able to express their mean you don't love each comfortable expressing arguments are openly: Arguing with each thoughts. This shows that relationship will remain each other better: When partner's way of thinking understand each other boring: The same monotonous. A little bit of relationship. It shows you're a team: Arguing about an issue and then finding a solution together proves you can face problems together. It shows you're working as a team. But keep in mind that this banter should be within the framework of love and respect. The purpose should be to understand each other, not to belittle each other. If, even after your arguments, you still care for each other and stay together, then rest assured, your relationship is very strong.



that a perfect couple never fights. However, the constant, consistent atmosphere can make a banter can add freshness to a relationship. to respect each other. We often see in movies and all about love, romance, and sweet talk, but in much deeper than that. Have you ever relationship is marked not only by love, but also arguments? Yes, this is absolutely true. When two other and have a strong relationship, they are disagreements openly. Minor arguments don't other, but rather, they show that you both feel your opinions. How do you know if your strengthening your relationship? You speak other allows you to express your feelings and you trust each other and know that your strong even after the argument. You understand you debate an issue, you learn about your and their opinions. This helps you both better. It prevents the relationship from becoming atmosphere all the time can make a relationship discussion and laughter can add new life to the

# Sonam Bajwa Rejected Several Bollywood Films Due to Kissing Scenes, Saying, 'Now I Regret It..'

Sonam Bajwa revealed in an interview with Film Companion that she had turned down several Bollywood opportunities that she still regrets. She explained that she was offered several Bollywood movies, but she scenes. Sonam Bajwa Rejected Several scenes. Sonam is a well-known for her beauty and On Jatta 2, Godde Godde Housefull 5. Sonam has upcoming projects like be released in 2025. But Bollywood films where the Film Companion, Sonam films simply because they find this appropriate? I further added, "Our families can sit and watch. in a film because I who have made me what I for the script? Would my questions lingered in my said that she regrets very quickly without thinking anything through. Sonam told that when she later talked to her mom and dad about this, they said that yes, if it was for the film then it is okay. I was shocked to see this answer of my parents. Sonam said that I regret a lot that why I did not talk to them about this earlier. We believe many things in our mind.



turned them down because they contained kissing Rejected Several Bollywood Films Sonam Bajwa Bollywood Films The actress had issues with kissing known actress in the Punjabi film industry. She is exceptional acting. Her roles include films like Carry Cha, and Hausla Rakh. Her last Bollywood film was turned down several big films - the actress has Baaghi 4 and Ek Deewane Ki Deewaniyat, which will did you know that she initially turned down several script demanded kissing scenes? In an interview with Bajwa revealed that she refused several Bollywood required kissing scenes. Sonam asked, "Will Punjab wondered what my parents would say." Sonam mindset is that movies should be something that At that time, I was very scared to do a kissing scene wondered how people would react. Would the people am today relate to it? Would they understand it was family understand it was for the film? All these mind." And I left out some things." However, Sonam refusing some projects because she said no to them

## This actor used to make a living selling water bottles, and he made a name for himself worldwide with a 400 crore film. Did you recognize him?

Many people dream of becoming like actors after seeing them on the big screen, but few can fathom the hard work that actor put in to reach there. Today, we're going to tell you about one such actor who has become famous worldwide, used to make a living selling water bottles, and he also worked as a driver during his struggling a lasting impression on the audience, and in such praised. But what if the actor, director, and talking about the film Kantara, whose prequel, Kantara was highly praised by both critics and to achieve such massive success was truly 400 crore rupees worldwide. Rishabh Shetty story. Released in 2022, Kantara earned 400 in India and globally. As an actor and director, 1, released in 2025, is also making waves at the others in the Indian film industry, he worked 1983, in Kundapura, Udupi district, Karnataka, water bottle seller and a driver. Rishabh Shetty developed when he studied filmmaking at the Government Film and Television Institute (GFTI) in Bangalore. Before that, he worked in various odd jobs. He worked in the real estate business, and reportedly even sold water bottles and worked as a driver. Talking about his struggling days, the actor said, "I used to be an office boy and a driver for a producer in a production house in Andheri West. So you can imagine what cinema can do. I never imagined that making a film would bring me so much fame, love, and blessings." Eating vada pav on the street near that production house, I never imagined I would reach this far. I am so grateful." Released in 2022, Kaantara brought Rishabh Shetty recognition both domestically and internationally. It made history by grossing over ?400 crore worldwide. Now, in 2025, Kaantara Chapter 1 is also resonating with audiences, earning over ?500 crore at the worldwide box office in ten days.



but once used to make a living selling water bottles. This actor he made a name for himself worldwide with a 400 crore film, and days. Many films are released throughout the year, but some leave a situation, the story, director, actors, and writer of that film are all writer of a film are all the same person? Isn't it interesting? We're Kantara Chapter 1, was recently released. Released in 2022, audiences, and was a huge box office success. For a regional film remarkable. Rishabh Shetty was behind this success. He earned played the lead role in Kantara, directed the film, and wrote its crore rupees worldwide, giving Kannada cinema recognition both Rishabh Shetty won the hearts of audiences. Now, Kantara Chapter box office. However, his journey hasn't been easy at all. Like many various jobs before reaching stardom. Shetty was born on July 7, and Rishabh's real name was Prashant Shetty. He worked as a was born into a middle-class family. His passion and faith in cinema

## 'Raj-Simran' are back... Shah Rukh and Kajol's romance casts a spell on stage

The 70th Filmfare Awards, one of Bollywood's star-studded evenings, was held in Ahmedabad, Gujarat, on October 11, 2025. Numerous videos and photos from the event surfaced on social media, but one video is going viral. Seeing Kajol and Shah Rukh Khan on stage after so many years captivated the audience. Kuch Kuch Hota Hai, DDLJ... When these films are mentioned, the only thing that comes to outstretched, and Kajol running from only Kajol has earned the title of King even today, when they appear together, held in Ahmedabad, Gujarat. Shah Rukh Karan Johar. Shah Rukh Khan's arrival excitement. Kajol also attended the event, captivated everyone. Shah Rukh Khan Khan and Kajol's magic was evident: Kajol arrived on stage to present the atmosphere instantly lit up. Everyone was Dulhania Le Jayenge." Background Shah Rukh and Kajol's romance began. "Tujhe Dekha Toh Yeh Jaana Sanam" cheers. Shah Rukh then knelt down and The two then danced to the song "Ladki Their chemistry was so captivating that viral on social media, with fans expressing with Shah Rukh Khan. The 70th Filmfare Awards, one of Bollywood's star-studded events, was held in Ahmedabad, Gujarat, on October 11, 2025. Several videos and photos from the event surfaced on social media, but one video is becoming increasingly viral. The audience was mesmerized by seeing Kajol and Shah Rukh Khan on stage after so many years. Kajol shared two photos on social media, showing them together. The first photo is from when they both received a Filmfare Award, and the second is from the recent Filmfare Awards, when they both received an award again. This moment was very special for Kajol, and she shared this information on her social media. Sharing both photos on Instagram, Kajol wrote in the caption, "This is from then, and this is from now. The most fun throwback picture. Thank you, Filmfare, this is my 7th award." Kajol appeared in a black sari - Shah Rukh Khan appeared in a black tuxedo during the awards show, while Kajol looked stunning in a black sari. Karan Johar was also seen on stage with them, cheering on their two close friends. Shah Rukh and Kajol have worked together in several blockbuster films in the 90s. Which includes the names of films like DDLJ, Kuch Kuch Hota Hai, Karan Arjun, My Name Is Khan, Kabhi Khushi Kabhie Gham and Dilwale.



mind is Shah Rukh Khan standing in the distance, his arms there in slow motion. While cinema has seen many couples, Khan's onscreen queen. Their chemistry is so amazing that fans are thrilled. Recently, the 70th Filmfare Awards were Khan returned as host after 18 years, alongside filmmaker to host the awards ceremony only increased everyone's and it was there that cameras captured a scene that and Kajol danced to their hit songs on stage. Shah Rukh Shah Rukh Khan was hosting the awards show. Meanwhile, award. As soon as Kajol arrived to present the award, the reminded of films like "Kuch Kuch Hota Hai" and "Dilwale dancers appeared on stage, and this is where the magic of Shah Rukh Khan danced with Kajol to the famous song from DDLJ. As the two danced, the audience erupted in gave Kajol a rose, recreating the iconic scene from the film. Badi Anjaani Hai" from their film "Kuch Kuch Hota Hai." everyone was forced to applaud. The video is now going their desire to see them together again. Kajol shared a photo